GENERAL PSYCHOLOGY

B.A. (Hon's & Sub) Part-I

Paper-I

Dr. Ramendra Kumar Singh
HOD of Psychology
D.K. College, Dumraon
(Buxar)
VKSU, Ara (Bhojpur), Bihar.

प्रश्न :- व्यक्तित्व से आप क्या समझते हैं? इसके जैविक निर्धारकों की व्याख्या कीजिए। (What do you mean by Personality? Explain about it's biological factors.)

व्यक्तित्व एक सामान्य शब्द है, जिसका प्रयोग अक्सर ही हम अपने दैनिक जीवन में किया करते हैं। आमतौर पर व्यक्तित्व से तात्पर्य लोग शारीरिक बनावट वेश-भूषा आदि से लगाते हैं परन्तु यह व्यक्तित्व की सतही व्याख्या है। मनोवि- के अन्तर्गत व्यक्तित्व शब्द का प्रयोग विशिष्ट अर्थ में होता है। प्राचीन विचारधाराओं के समर्थक मनोवैज्ञानिक व्यक्तित्व की व्याख्या में बाह्य पक्षों का महत्व देते हैं। ये लोग शारीरिक डील डौल, रूप रंग को ज्यादा तरजीह देते हैं। दूसरी ~~ओ~~ तरफ कुछ ऐसे लोग भी हैं जो व्यक्तित्व की परिभाषा व्यक्ति की आंतरिक पक्षों के आधार पर देने का प्रयास किये हैं। ~~ऐसे~~ उस श्रेणी के मनोवैज्ञानिक व्यक्तित्व की व्याख्या व्यक्ति विशेष के स्वभाव, बौद्धिक योग्यता आदि के आधार पर करते हैं। परन्तु ये दोनों ही विचारधाराएँ एकपक्षीय हैं। यहाँ हम वैसे मनोवैज्ञानिकों की परिभाषाओं का जिक्र करेंगे जो आधुनिक, एकीकृत और ज्यादा स्पष्ट हैं। इस श्रेणी के मनोवैज्ञानिकों में जी० ~~डब्ल्यू०~~ आलपोर्ट का नाम सर्वाधिक उल्लेखनीय है

Scanned By Scanner Go

(G.W. Alport) जी० ~~डब्लू०~~ आलपोर्ट ने तत्कालीन सभी 49 परिभाषाओं का अध्ययन करने के बाद (1937) ई० में दोनो पक्षों द्वारा दी गई परिभाषाओं समाकलित (Integrated) करते हुए व्यक्तित्व का एक बड़ा ही सुन्दर परिभाषा दी है, जो बड़ा ही स्पष्ट और लोकप्रिय है।- उन्हीं के शब्दों में :-

" Personality is the dynamic organization within the individual of those Psychophysical systems that determine his unique adjustment to his environment." अर्थात " व्यक्तित्व व्यक्ति के अन्तर्गत उन मनोदैहिक गुणों का गतिशील संगठन है, जो वातावरण के प्रति उसके अपूर्व अभियोजन को निर्धारित करता है।"

इसी तरह (1981) ई० में वाल्टर मिस्चेल (Walter Mischel) ने व्यक्तित्व की एक ऐसी परिभाषा दी है जो मनोवैज्ञानिकों के बीच अत्यंत ही लोकप्रिय हो चुकी है।-

" Personality usually refers to the distinctive Patterns of behaviour (including thoughts and emotions) that characterize each individual's adaptation to the situations of his or her life."

बैरॉन (1993) ने भी लगभग, लगभग इसी आशय की परिभाषा व्यक्तित्व की दी है :-

" Personality ~~refers~~ is generally defines as individual's unique and relatively stable patterns of behaviour, thoughts and emotions." ~~अर्थात व्यक्तित्व को सामान्यतः व्यक्तियों के अनूठे तथा सापेक्ष संवेगों, चिंतनों और व्यवहारों के स्थिर प्रारूप (पैटर्न)~~

अर्थात "व्यक्तित्व को सामान्यतः व्यक्ति विशेष के अनूठे तथा सापेक्ष संवेगों, चिंतनों तथा व्यवहारों के स्थिर पैटर्न के रूप में परिभाषित किया जाता है।"

Scanned By Scanner Go

उपर्युक्त परिभाषाओं का अगर हम सम्मिलित रूप से विश्लेषण करते हैं तो व्यक्तित्व का अर्थ बिल्कुल ही स्पष्ट हो जाता है जिसे हम निम्नलिखित रूप में व्यक्त कर सकते हैं :-

(i) व्यक्तित्व मनोदैहिक गुणों का संगठन है। इसका मतलब यह हुआ कि व्यक्तित्व में शारीरिक एवं मानसिक दोनों तरह के गुणों का समावेश होता है। यानी व्यक्तित्व शारीरिक एवं मानसिक दोनों तरह के गुणों से मिलकर बनता है। अतः यह दोनों प्रकार के गुणों का मिश्रण है।

(ii) यह गत्यात्मक संगठन है :- व्यक्तित्व के शारीरिक एवं मानसिक गुणों में संगठन होता है, लेकिन यह संगठन गतिशील है। स्थिर नहीं है। समय एवं परिस्थिति के अनुसार बदलते रहता है। एक व्यक्ति एक स्थिति में डरपोक तो दूसरी परिस्थिति में निडर भी हो सकता है। ईमानदार व्यक्ति दूसरी हालात में बेईमान भी हो सकता है। अतः मनोदैहिक गुणों का यह संगठन आपस में समयानुसार परिस्थितिवश बदल सकते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं लगाना चाहिए कि ऐसा बदलाव हमेशा होता रहता है। कोई भी ईमानदार व्यक्ति अधिकांश स्थितियों में ईमानदार ही रहेगा। केवल कुछ विशेष परिस्थितियों में ही बदलाव हो सकता है।

(iii) वातावरण में अपूर्व अभियोजन है :- प्रत्येक व्यक्ति में समायोजन का तरीका अपूर्व या अनूठा होता है। एक ही प्रकार के वातावरण में भिन्न-भिन्न व्यक्ति अपने-अपने ढंग से समायोजन करता है। इसीलिए प्रत्येक व्यक्ति का समायोजन का व्यवहार अलग-अलग हो जाता है। इसके पीछे व्यक्ति की आंतरिक संरचना होती है। हलांकि बाद के मनोवैज्ञानिक आलपोर्ट के इस विचार की आलोचना किए हैं। इसीलिए आलपोर्ट ने (1961) में अपनी पूर्व की परिभाषा को आंशिक संशोधन करके परिमार्जित किया और "Unique adjustment to his environment" इन पाँच शब्दों को बदलकर उनके स्थान पर "characteristics behaviour and thoughts" को सम्मिलित किया। इसका तात्पर्य यह है कि व्यक्ति

Scanned By Scanner Go

वातावरण के साथ सिर्फ समायोजन ही नहीं करता बल्कि उस वातावरण के साथ अन्तःक्रिया भी करता है ताकि उस वातावरण को भी उस व्यक्ति विशेष के साथ समायोजन या अभियोजन के योग्य होना पड़े।

निष्कर्ष के तौर पर हम कह सकते हैं कि उपर्युक्त परिभाषाओं के आलोक में ही व्यक्तित्व को समझना अधिक युक्तिसंगत है। इसी संदर्भ में एक समग्र रूप अख्तियार करते हुए हम कह सकते हैं कि " An individual's personality is an amalgam of all his characteristics and traits including those Perceived by himself, those of which he is not aware but which still partly determine his behaviour and all those observable to other people. "